राज्यों में सूखे तथा वर्षा के कारण खरीफ फसल को हुई हानि

114. श्री दौलत राम सारण: क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के प्रत्येक राज्य में ऐसा क्षेत्र तथा जनसंख्या क्या है जो हाल ही में सूखे तथा भारी वर्षा के कारण खरीफ फसल के नष्ट होने से प्रभावित हुए हैं ;

(ख) क्या सरकार को पता है कि गत 2-3 वर्षों से राजस्थान में अकाल की गंभीर स्थिति है और सूखे के कारण 26 जिलों में से 21 जिलों के हजारों गांवों में अकाल के कारण इस वर्ष भी स्थिति गंभीर है ;

(ग) क्या अकाल की गंभीरता के बारे में जानकारी देते हुए राजस्थान ने किसी सहायता की मांग की है और अन्य राज्य कौन-कौन से हैं जिन्होंने अकाल के बारे में जानकारी दी है; और

(घ) देश के अकाल से प्रभावित हुए लोगों तथा उनके पशुओं की सुरक्षा के लिये केन्द्रीय सरकार द्वारा क्या प्रबन्ध किये गए हैं अथवा करने का विचार है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० वी० स्वामीनाथन) : (क) एक विवरण संलग्न है ।

(ख) से (घ) . राजस्थान, हरियाणा, कर्नाटक तथा आन्ध्र प्रदेश की सरकारों ने अपने राज्यों में सूखे की स्थिति की सूचना दी है और सूखे की स्थिति का मौके पर जायजा लेने तथा स्थिति से निपटने के लिए वित्तीय जरूरतों का मूल्यांकन करने के लिए केन्द्रीय दलों को दौरे पर भेजने का अनुरोध किया है । आन्ध्र प्रदेश, हरियाणा तथा कर्नाटक की राज्य सरकारों ने ज्ञापन भेजे हैं । राजस्थान सरकार से अभी ज्ञापन प्राप्त होना है । भारत सरकार सूखे से प्रभावित राज्यों को केन्द्रीय दल भेजने के विषय में विचार करेगी ।

विवरण

क्रम संख्या	राज्य	प्रभावित सस्यगत क्षेत्र (लाख हैक्टेयर)	प्रभावित आबादी (लाख में)
	1. बाढ़-पीड़ित राज्य		
1.	आन्ध्र प्रदेश	0.24	1.76
2.	असम	2.88	33.59
3.	बिहार	9.96	74.45
4.	गुजरात	2.74	27.02
5.	हरियाणा	0.80	2.25
6.	कर्नाटक	0.28	3.42
7.	केरल	0.68	36.00
8.	उत्तर प्रदेश	30.94	303.47
9.	उड़ीसा	3.55	26.39
10.	प० बंगाल	1.41	20.00
11.	हिमाचल प्रदेश	नगण्य	0.06
12.	महाराष्ट्र	0.03	0.02
13.	पंजाब	0.45	0.85
14	राजस्थान	नगण्य–	–
15.	मणिपुर	मूल्यांकन किया जा रहा है ।	3.00
	योग	53.89	532.28
	2. सूखे से प्रभावित राज्य		
1.	आन्ध्र प्रदेश	10.42	14.10
2.	कर्नाटक	49.67	90.00

(बिना बुआई के 21.11 क्षेत्र सहित)

3. राजस्थान		151.27
4. हरियाणा	4.36	12.79

*राज्य सरकार ने सत्य निरीक्षण रिपोर्टों के आधार पर 26 जिलों में से 25 जिलों के 18,959 गांवों को अभाव-ग्रस्त घोषित कर दिया हैं ।

Postal Facilities in New D.D.A. Colonies of Delhi

115. SHRI KRISHNA PRATAP SINGH: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) what are the postal facilities provided by Government in the newly developed colonies of Delhi where the D.D.A. had allotted plots of land under the 20 Point Programme;

(b) whether it is a fact that in some of these colonies in Delhi, no post office facilities have been provided and even no letter boxes have been put for the benefit of the residents there; and

(c) when the post office facilities are likely to be provided there and when it is proposed to put letter boxes there?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI KARTIK ORAON): (a) to (c). There are 17 newly developed resettlement colonies in Delhi. 27 Post Offices are already functioning in these colonies in departmental buildings. Colonies with more than one block/phases have been provided with more than one post office. 3 more post offices have been ordered to be opened in these colonies. 61 letter boxes are installed in the resettlement colonies. Further facilities will be provided as the requirement increases.

संचार मंत्रालय में काम कर रहे अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिमजाति कर्मचारियों सहित कर्मचारियों की संख्या

116. **श्री हीरालाल आर० परमार :** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय तथा उसके अधीनस्थ संगठनों में कार्यरत कर्मचारियों की कुल संख्या कितनी है और उसमे से प्रत्येक संगठन मे अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिमजाति कर्मचारियो की संख्या कितनी है तथा इस बारे मे पूर्ण ब्यौरा क्या है, और

(ख) क्या उनके मंत्रालय तथा उसके अधीनस्थ संगठनो मे विभिन्न श्रेणियो के कुछ पद खाली पडे है और उनमे से कितने पद अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिमजातियो के लिए आरक्षित है और उन पदो को कब तक भरे जाने की संभावना है ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कार्तिक उरांव) : (क) और (ख). जानकारी देश भर मे फैली एकको मे इकठ्ठी की जा रही है । इसे लोक सभा के पटल पर रख दिया जायेगा ।

हिन्दुस्तान टैलीप्रिन्टर्स लि० में विदेशी सहायता

117. **श्री हीरालाल आर० परमार :** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिन्दुस्तान टैलीप्रिन्टर्स लि० में विदेशी सहायता से विद्युत टंकण मशीनों, इलैक्ट्रानिक्स टैलिप्रिन्टरो और कम्प्यूटरों के फालतू पुर्जों का निर्माण करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए गत तीन वर्षों के दौरान कोई प्रतिनिधिमंडल विदेश भेजा गया था ; और